पाठ्यक्रम (2020-21)
कक्षा : दसवीं
विषय : संस्कृत

- प्रश्नपत्र में कुल 11 प्रश्न होंगे।
- प्रश्न पत्र में तीन भाग (क से ग तक) होंगे ।

भाग – क
अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न–1 में (i) से (x) तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा । ये प्रश्न एक शब्द से एक वाक्य तक के उत्तरों वाले अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के हो सकते हैं ।यह प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जायें।

(i) से (ii) तक शब्द रूप (पुल्लिग ,स्त्री लिंग तथा नपुंसकलिंग) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(iii) से (iv) तक धातुरूप (लट्लकार, लङ्लकार, लृट्लकार, लोट् लकार, विधिलिङ् लकार) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(v) से (vi) तक कृदन्त प्रत्यय से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(vii) से (viii) तक सन्धि से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(ix) से (x) तक अव्यय/ उपपद विभक्तियों से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग –ख
(पाठ्य पुस्तक के 16 से 30 तक पाठ)

2 गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद ।

3 पद्यों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित अर्थ ।

4 पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्न ।

5 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत लघु प्रश्न ।

6 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत शब्दों के हिन्दी में अर्थ ।

7 पठित गद्याँश मे से संस्कृत में सरल प्रश्न

भाग–ग
(व्याकरण भाग)

8 **(क)संज्ञा शब्द रूप :** (पु.) भानु , गुरु , भ्रातृ , दातृ ।
(नपुं.) वारि , मधु ।
(स्त्री.) मति, रीति, धेनु , मातृ ,स्वसृ ।

हलन्त् शब्द रूप-सरित्,वाच्,(स्त्री.) शशिन्, महत्, भगवत्, श्रीमत् (पुं.)
सर्वनाम शब्द रूप - (केवल पुं. में) -यद्, किम् इदम्।

(ख) धातु रूप : (लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट्)(केवल परस्मैपद)
तुदादिगण : (प.) तुद् ,इष्, स्पृश्, प्रच्छ्, ।
दिवादिगण : (प.) दिव् , नृत्, भ्रम्, नश् , तुष्।
चुरादिगण : (प.) चुर् , कथ् , भक्ष् क्षल् ।

9 **(क) उपपद विभक्तियाँ** (पाठ्य पुस्तक पर अधारित)

अथवा

रिक्त स्थानों की पूर्ति (उपयुक्त शब्द रूप तथा धातु रूप पर आधारित)

(ख) सन्धि :
विसर्ग सन्धि :-लोप विधि, उत्व विधि, शत्व विधि, सत्व विधि ।

10 **प्रत्यय** : क्त ,क्त्वा , तव्यत् , अनीयर्, तुमुन् ।
धातु-भू ,गम्,पा,दा,स्था , पठ्,अर्च,चुर्,भक्ष, क्षल्, कूज्,नी, दृश,पृच्छ,नृत, स्मृ ।

अथवा

अव्यय प्रयोग: (पाठ्य पुस्तक पर अधारित)

11 हिन्दी सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद(16 से30 तक अनुवाद भाग)

अथवा

निबन्ध: नीचे लिखे विषयों पर संस्कृत में सरल निबन्ध (लगभग 80 शब्दों में)
मम अध्यापक: ,मम प्रिय मित्रम् ,अस्माकं विद्यालय : , दीपावली, विज्ञानस्य चमत्कारा:।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : संस्कृत भारती - 10 पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित

आन्तरिक मूल्यांकन

आन्तरिक मूल्यांकन के कुल 20 अंक हैं, जो दो भागों में विभक्त किया गया है।

भाग- क (गतिविधियां) अंक 10

यह मूल्यांकन विद्यार्थी द्वारा पूर्ण साल में की गई गतिविधियों पर आधारित होगा ।

(क) विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति = 2 अंक

(ख) गृहकार्य = 2 अंक

(ग) घरेलू परीक्षाओं पर आधारित मूल्यांकन = 4 अंक

(घ) पुस्तक बैंक = 2 अंक (विद्यार्थी पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के संग्रह में योगदान देगा जिससे पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के भण्डार में वृद्धि होगी)

भाग- ख (परियोजनाकार्यम्) अंक 10

यह मूल्यांकन संस्कृत भाषा के प्रति विद्यार्थी के सामान्य ज्ञान पर आधारित होगा ।

निम्नलिखित विषयों पर विद्यार्थी के ज्ञान का परीक्षण किया जाये।

(1) वाचन कौशल- वाचन कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की वाचन कुशलता को विकसित करने के लिए पठ्य-पुस्तक में दिए गए गद्य- पद्य भाग में कोई एक अनुच्छेद पढ़ने को दिया जायेगा ।

लाभ-

1. हाव- भाव सहित शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास । **अंक= 3**
2. व्याकरणिक दृष्टि से उच्चारण में शुद्धता का विकास ।
3. विद्यार्थियों में भाषण कौशल का विकास ।
४. प्राचीन संस्कृत साहित्य पढ़ने की रूचि का विकास

(2) श्रवण कौशल- श्रवण कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की श्रवण कुशलता को विकसित करने के लिए पठित सामग्री को सुनकर अर्थ ग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, संस्कृत गीतों को सुनने की कुशलता का विकास करना । **अंक= 3**

लाभ-

1. श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों मे एकाग्रता विकसित होगी ।
2. मनन शक्ति का विकास होगा ।
3. प्राचीन संस्कृत साहित्य सुनने की रूचि का विकास होगा ।

(3) अध्यापक परियोजनाकार्य भाग में स्वतन्त्र रूप से भी कक्षा में कार्य करवा सकता है। परियोजनाकार्य का उद्देश्य संस्कृत भाषा में विद्यार्थी के लेखन कौशल का विकास करना है । इसके अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापक द्वारा विद्यार्थिओं को परियोजना तैयार करने को कहा जाएगा, जिसका मार्गदर्शन अध्यापक करेगा । परियोजना लिखते समय उसे रुचिपूर्ण बनाने के लिए विद्यार्थी चित्रों का प्रयोग भी कर सकता है ।

अंक=4

विषय : संस्कृत
कक्षा : दसवीं
प्रश्न- पत्र की रूपरेखा

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : (लिखित=75+5 सुन्दर लिखाई) =80
आन्तरिक मूल्यांकन = 20

भाग क

1	अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	**1x10=10**

भाग = ख
(पाठ्य पुस्तक 16 से 30 पाठ)

2	तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में करने को कहा जाए ।	4x2= 8
3	तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखने को कहा जाए।	4x2=8
4	पाठों के अभ्यासों में से पाँच प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से तीन का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	2x3=6
5	संस्कृत में पाँच प्रश्न दिए जाएं । जिनमें से तीन का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए ।	2x3=6
6	पाठों के अभ्यासों में से छ: संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से चार शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए ।	4x1=4
7	पाठ्य पुस्तक में से कोई एक गद्याँश देकर उसी मे से संस्कृत में दो सरल प्रश्नोत्तर पूछे जाएं ।	2x2=4

भाग=ग
(व्याकरण भाग)

8	**(क)** पाठ्यक्रम में दिए गये संज्ञा शब्द रूपों में **अथवा** हलन्त् और सर्वनाम शब्द रुपों में से छ: शब्दों के रूप किसी एक विभक्ति के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार शब्दों के रूप लिखने हों ।	4x½=6
	(ख) पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से छ: धातुओं के रूप किसी एक लकार के एक पुरुष के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार धातुओं के रूप लिखने हो।	4x½=6

9 (क) उपपद् सम्बन्धी अशुद्धि वाले पाँच वाक्य दिये जाएं जिनमें से तीन वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये ।

अथवा

शब्द् रूप तथा धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थानों की पूर्ति । पुस्तक के अभ्यासों में से पाँच वाक्य दिए जाए जिनमें से तीन करने को कहा जाए । 3x1=3

(ख) पाठ्यक्रम में दी गई सन्धियों में से सात शब्द् सन्धि / सन्धि विच्छेद के लिए दिये जाऐं जिनमें से किन्हीं पाँच शब्दों के उत्तर लिखने को कहा जाए । 5x1 =5

10 निर्धारित धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए सात धातुएं तथा प्रत्यय दिए जाएं, जिनमे से चार धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने को कहा जाए ।

अथवा

पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों में आए अव्ययों में से सात अव्यय देकर चार को वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहा जाए । 4x1=4

11 हिन्दी के 10 वाक्य दिए जाएं जिनमें से पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद् करने को कहा जाए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निश्चित् तीन निबंध देकर किसी एक विषय पर संस्कृत में लगभग 80 शब्दों में निबंध लिखने को कहा जाए । 5